शनिवार
27 जुलाई 2024

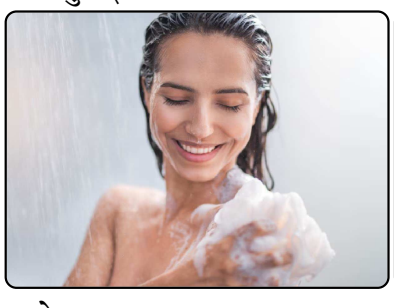

पृष्ठ 4
बॉडीवॉश घर पर खुद ऐसे बनाकर करें...

पृष्ठ 5
टीवी एक्ट्रेस चारुल मलिक ने कहा...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 172
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अनुभव की पाठशाला में जो पाठ सीखे जाते हैं, वे पुस्तकों और विश्वविद्यालयों में नहीं मिलते।
– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुसीबत बेशुमार, पहाड़ पर आपदा की मार

मलवे में दबकर मां-बेटी की मौत

●चमोली में बादल फटा, बिजली घर तबाह

❑गौचर में वाहन चालक की मौत, दो कारें मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त

विशेष संवाददाता

देहरादून। आसमानी आपदा की मार से पहाड़ पर हाहाकार मचा हुआ है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से नदी-नालों ने ऐसा रौद्र रूप ले लिया है कि वह अपने साथ सब कुछ बहा ले जाने पर आमादा है। वही पहाड़ों के टूटने के कारण सड़कों पर आवाजाही दुबर हो गई है। तथा लोग भय के साए में जीने पर मजबूर हैं।

बीती रात टिहरी के बूढ़ेकेदार क्षेत्र में भारी बारिश के कारण बाल गंगा नदी ने तोली गांव में ऐसी तबाही मचाई कि दीवारें तोड़कर मलवा लोगों के घरों में घुस गया और उन्हें जान बचाने का भी मौका नहीं मिला एक घर में सो रहे पांच लोगों में से तीन तो किसी तरह बच गए जबकि मां-बेटी की मलबे में दबकर मौत हो गई। परिवार के दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि एसडीआरएफ ने मां बेटी के शवों को मलवे से निकाल लिया है। क्षेत्र की कई दुकानें बह गई है तथा कई मवेशियों के बहने की खबर है। स्थानीय पुलिस प्रशासन व एसडीआरएफ बचाओ व राहत कार्यों में जुटे हैं।

उधर चमोली में बादल फटने से भारी नुकसान होने की खबर है। यहां बिजली घर में पानी और मलवा घुस गया तथा पानी के तेज बहाव में ट्रांसफार्मर तक बह गया। क्षेत्र में बिजली-पानी की आपूर्ति ठप हो गई, वहीं कर्णप्रयाग-ग्वालदम राजमार्ग भी मलवा व पत्थर आने से बंद हो गया है। उधर गोपेश्वर के सुभाष नगर में सड़क पर खड़ी कारो पर मलवा गिरने से दो कारे चकनाचूर हो गई, गनीमत रही कि इनमें कोई व्यक्ति नहीं था। उधर बद्रीनाथ से दर्शन करके लौट रहे महाराष्ट्र से आये एक दंपति की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई जो अलकनंदा में गिरने से तो बच गई मगर खिड़की खुलने से एक व्यक्ति नदी में गिर गया जिसकी मौत हो गई एसडीआरएफ ने ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

तलवारबाजी कर मारपीट करने वाले दो फरार हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नुमाइश के दौरान तलवारबाजी व मारपीट कर फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तलवार भी बरामद की है। गिरफ्तार दोनो आरोपी जिला उधमसिंहनगर के अलग-अलग थानों के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है जिन पर कई संगीन मुकदमें दर्ज है।

जानकारी के अनुसार बीती 20 जुलाई को अजीत सिंह बगडवाल पुत्र टीकम सिंह बगडवाल निवासी रामड़ी छोटी निकट के.वी.एम. स्कूल गांधी आश्रम मुखानी जिला नैनीताल द्वारा नुमाईस एम. बी. इन्टर कालेज ग्राउण्ड में वाहन पार्किंग को लेकर हुये विवाद के दौरान कुछ नामजद व कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा धारदार हथियार से मारपीट व गाली गलौज के सम्बन्ध में दी गयी तहरीर के आधार पर कोतवाली हल्द्वानी पर मुकदमा दर्ज कराया गया था।

मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए बीती 24 जुलाई को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जबकि घटना में दो हमलावर फरार थे। जिन्हे पुलिस ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

यूपी की योगी सरकार अग्निवीरों को देगी आरक्षण

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ा ऐलान किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में अग्निवीर को आरक्षण दिया जाएगा। सरकार इन्हें यूपी में पुलिस और पीएसी में प्राथमिकता देने पर विचार कर रही है। एम योगी ने कहा कि यूपी में अग्निवीर को पुलिस की नौकरी में आरक्षण दिया जाएगा। अग्निवीर जब अपनी सेवा की अवधि पूरी कर वापस आएंगे तो यूपी सरकार उन्हें पुलिस सेवा और पीएसी में आरक्षण का लाभ देगी। इस दिशा में योजना बनाकर सरकार काम करेगी। त्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अग्निवीर योजना को लेकर विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल देश की कीमत पर राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए राजनीति देश से भी बड़ी है। विपक्षी दलों के लिए सुधार और प्रगति से जुड़ी, समृद्धि से जुड़ी हर चीज में बाधा डालना आदत बन गई है। वे ऐसा लगातार करते हैं। विपक्ष ने इस मामले पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की। मुझे लगता है हमें राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च मानते हुए इस सशस्त्र बल सुधार के साथ आगे बढना चाहिए। एम योगी ने कहा कि प्रगति और समृद्धि के नए प्रतिमान स्थापित करने के लिए समय-समय पर किए गए सुधार किसी भी देश और समाज के लिए आवश्यक हैं।

ममता ने बीच में छोड़ दी नीति आयोग की बैठक, बोलीं- मैं बोल रही थी, मेरा माइक बंद कर दिया

नई दिल्ली। नीति आयोग की बैठक में शामिल रहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा आरोप लगा दिया। मीटिंग को बीच में छोड़ते हुए भाजपा सरकार पर हमला किया। ममताबनर्जी अनुचित व्यवहार और बोलने के लिए अपर्याप्त समय का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की बैठक से बाहर चली गईं।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने बैठक से बाहर आने के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं बैठक का बहिष्कार करके बाहर आई हूं। चंद्रबाबू नायडू को बोलने के लिए 20 मिनट दिए गए। असम, गोवा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने 10 से 12 मिनट तक अपनी बात रखी। मुझे पांच मिनट बाद ही बोलने से रोक दिया गया। यह अनुचित है। ममता ने कहा, विपक्ष की तरफ से मैं यहां अकेली नेता हूं। मैंने बैठक में इसलिए हिस्सा लिया, क्योंकि सहकारी संघवाद को मजबूत किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मैं बोल रही थी, मेरा माइक बंद कर दिया गया। मैंने कहा कि आपने मुझे क्यों रोका, आप भेदभाव क्यों कर रहे हैं। मैं बैठक में भाग ले रही हूं, आपको खुश होना चाहिए। आपकी पार्टी आपकी सरकार, विपक्ष से सिर्फ मैं हूं और आप मुझे बोलने से रोक रहे हैं। ममता बनर्जी नीति आयोग की बैठक बीच में छोड़कर बाहर निकल गईं। ममता ने कहा कि उन्हें महज पांच मिनट बोलने के बाद रोक दिया गया। उन्होंने 2024-25 के केंद्रीय बजट की भी आलोचना की और इसे पक्षपातपूर्ण बताया। नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक राष्ट्रपति भवन में आयोजित की गई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

महंगाई से हा-हाकार

लोकसभा चुनाव के बाद भले ही देश में नई सरकार का गठन हो चुका है लेकिन देश के नेता और राजनीतिक दल अभी भी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अपने-अपने हित साधने में जुटे हुए हैं। वर्तमान मोदी सरकार कब तक अस्तित्व में बनी रह सकती है? वर्तमान राजनीति के विमर्श में यह सवाल सबसे अहम बना हुआ है देश में अब सरकार किसी की भी रहे आम आदमी के जीवन से जुड़ी समस्याओं का समाधान सभी के लिए अहम चुनौती रहने वाला है। चुनाव में इस बार महंगाई और बेरोजगारी जैसे दो अहम मुद्दे अत्यंत ही प्रभावी रहे। चुनाव निपटने के बाद भी यह मुद्दे उतने ही अधिक चर्चाओं में है। कारण साफ है जिस समस्या को 10 साल दरकिनार किया गया उसे गंभीर और गंभीर होना ही था। बीते एक साल की बात की जाए तो इस दौरान खाद्य महंगाई दर में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। खाद्यान्न (अनाज) के दामों में 8.75 फीसदी, सब्जियों के दामों में 29.72 फीसदी, दालों के दाम में 16.07 फीसदी और दूध के दाम में 3.08 फीसदी की वृद्धि के साथ-साथ खाद्य तेलों के दामों में 25 फीसदी के आसपास बढ़ोतरी हुई है। मार्च में जिस प्याज के दाम 20-25 रूपये प्रति किलो थे आज उसके दाम 50 रूपये प्रति किलो है तथा जो आलू 15-20 रुपए प्रति किलो था वह आज 30 से 40 रुपए प्रति किलो है। यह सिर्फ उदाहरण भर है आज बाजार में फल और सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं खास तौर पर गरीब और आम आदमी के जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है यह तो सिर्फ आम आदमी ही जान सकता है। जो लोग पहले से ही गरीबी और गुरबत में जीवन बसर कर रहे थे इस महंगाई के बाद उनकी मुश्किलें कई गुना बढ़ गई है। चुनाव के दौरान इस मुद्दे को विपक्ष द्वारा शिद्दत के साथ उठाया गया था। उस समय प्रधानमंत्री मोदी का कहना था कि उनकी सरकार ने महंगाई को नियंत्रण में रखा हुआ है अन्यथा अगर कोई और सरकार होती तो इससे भी चार गुना अधिक महंगाई होती। मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में यही भाजपा के नेता सर पर सिलेंडर लेकर आए दिन प्रदर्शन करते दिखाई देते थे। उस समय रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 400 रूपये के आस-पास थी उस समय इन नेताओं को महंगाई बहुत ज्यादा दिखाई देती थी और सत्ता में आने पर महंगाई को कम करने का भरोसा दिलाया जाता था। लेकिन अब उनके कार्यकाल में यही रसोई गैस सिलेंडर 1000 के पार चला गया लेकिन उन्हें यह महंगाई दिखाई नहीं दे रही है। कोई सरकार में बने रहने के तिकड़म में लगा है तो कोई सत्ता के जाने का इंतजार कर रहा है। बस एक आम आदमी है जो आज या तो रोजगार के लिए दर-दर की ठोकर खाता फिर रहा है या फिर इस महंगाई के दौर में दो जून की रोटी का जुगाड़ कैसे करें इसकी चिंता में सूखता जा रहा है। एक और अहम सवाल है मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का। खस्ता हाल अर्थव्यवस्था के इस दौर में कोई भी सरकार मुफ्त की रेवड़ियां कब तक और कैसे बांट पाती है यह भी आने वाले समय का सवाल है जिसके आसरे राजनीति करने वाले आगे क्या करेंगे?

दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में वनों की आग पर मंथन

संवाददाता

देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र में हिमालयी क्षेत्र में लगने वाली जंगलों की आग की समस्या को लेकर राउंड टेबल डायलॉग का आयोजन किया गया।

आज यहां दून पुस्तकाल एवं शोध केंद्र ने हिमालयी क्षेत्र में लगने वाली जंगलों की आग की समस्या को लेकर एक महत्वपूर्ण राउंड टेबल डायलॉग का आयोजन किया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति के बावजूद, ये आग, जो फरवरी से जून तक अधिक होती है, हिमालय को तबाह करती रहती है, जिससे वनस्पति, जैव विविधता और वन संरचना प्रभावित होती है। इस बहु-विषयक कार्यक्रम का उद्देश्य अग्नि शमन रणनीतियों का विकास करना और उत्तराखंड में बेहतर अग्नि प्रबंधन के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना था।

दून पुस्तकाल एवं शोध केंद्र के अध्यक्ष प्रो. बी.के. जोशी ने इस चर्चा की शुरुआत करते हुए क्षेत्र में आग के शमन के लिए समाधान खोजने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रसिद्ध पारिस्थितिकीविद् और सिडार के संस्थापक अध्यक्ष प्रो.एस.पी. सिंह ने जंगल की आग के बाद के प्रभावों पर व्यापक अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया। जिसमें मानव-आग इंटरैक्शन, बदलते आग के पैटर्न और पौधों के अनुकूलन लक्षणों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भूतपूर्व प्रमुख वन संरक्षक डॉ. राजीव भर्तरी ने समुदाय के साथ निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हुए एक मजबूत अग्नि प्रबंधन योजना विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

वन विभाग से सेवानिवृत्त ए.आर. सिन्हा ने वन रक्षकों और समुदाय के अग्निशमन कर्मियों को गुणवत्ता वाले सुरक्षा उपकरण प्रदान करने और अग्निशमन प्रयासों के लिए समय पर ध नराशि जारी करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बायोमास संचय से आग की गंभीरता बढ़ जाती है, जिससे मृदा सघनता और भूजल पुनर्भरण प्रभावित होता है। एसडीसी फाउंडेशन के अनूप नौटियाल ने 2022 में सिडार द्वारा आयोजित कार्यशाला की सिफारिशों को लागू करने की वकालत की और बेहतर निर्णय लेने के लिए वनाग्नि के प्रभावों के बारे में राजनीतिक नेताओं को सूचित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डब्ल्यू एफ एफ इंडिया के पंकज जोशी और यूसेक के डॉ. गजेंद्र रावत ने अग्नि प्रबंधन की दक्षता बढ़ाने और अग्नि हॉटस्पॉट का पता लगाने में रिमोट सेंसिंग तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया।

सिडार के निदेशक डॉ. विशाल सिंह। और दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक चंद्रशेखर तिवारी ने सम्मेलन का समापन करते हुए कहा कि आग एक जटिल मुद्दा है जिसे भविष्य में होने वाली विनाशकारी आग को रोकने के लिए सहयोगात्मक और सक्रिय प्रबंध न की आवश्यकता है।

युवक की मौत पर मकान मालिक सहित चार पर हत्या का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। युवक की मौत पर मकान मालिक सहित चार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लखीमपुर खीरी निवास राम कुमार पाण्डेय ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका लड़का आशुतोष पाण्डेय जो कि एमसीए की पढ़ाई देवभूमि यूनिवर्सिटी में पढ़ता था और किराये पर अनिल नौटियाल पुत्र संभू प्रसाद नौटियाल के मकान में रहता था।

घटना 31 मई 2024 समय रात्रि आठ बजे उसके मोबाइल पर फोन आया फोन मकान मालिक की पत्नी अंजनी नौटियाल बोल रही थी और बताया कि उसका लड़का आशुतोष बीमार है जो बोल नहीं पा रहा है और आईसीयू में भर्ती है। वह उसी दिन देहरादून के लिए घर से चल दिया सुबह आठ बजे मकान मालिक अनिल नौटियाल के पास पहुंचा तो उसने बताया कि उसका लड़का भर्ती है। वह जब ग्राफिक ऐरा हॉस्पिटल देहरादून में पंहुंचा तो उसका लड़का मृतक अवस्था में मोर्चरी में मिला।

उसको शक है कि मकान मालिक अनिल नौटियाल और प्रियांशु राजपूत पुत्र अनिल कुमार निवासी हुसैनपुरा शाहजहांपुर, अभय कुमार यादव पुत्र रतिलाल यादव निवासी बिहार और निरंजन कुमार यादव पुत्र रामकृपाल यादव निवासी बिहार ने मिलकर उसके पुत्र आशुतोष पाण्डेय की हत्या कर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वन मंत्री को जन्मदिन पर पुष्प गुच्छ देकर दी बधाई

हमारे संवाददाता

विकासनगर। वन मंत्री सुबोध उनियालय के जन्मदिन के अवसर पर क्वासी भाजपा मंडलध्यक्ष उपाध्यक्ष बचना शर्मा के नेतृत्व में लोगों ने उन्हे पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी। साथ ही उन्हे लाखामंडल आने का न्यौता दिया।

इस मौके पर बचना शर्मा ने कहा कि लाखामंडल व आस-पास के क्षेत्रों में ग्रामीणों को सबसे ज्यादा परेशानी अस्पताल के लिए होती है। उन्होने बताया कि यहां के लोगों को अपने व परिजनों के इलाज के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। वन मंत्री उनियाल ने उन्हे उनकी परेशानियों को देखते हुए उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश सहित कई अन्य लोग भी मौजूद रहे।

सोने का घोटाला करने वाले सम्मान यात्रा के नेताओं को ज्ञान ना दें: धीरेंद्र

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व प्रवक्ता धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि अरबों रूपये के सोना घोटाला करने वाले भाजपा नेता केदारनाथ सम्मान यात्रा के नेताओं को ज्ञान ना दें।

आज यहां उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने कांग्रेस की हरिद्वार से लेकर चार अगस्त को पवित्र केदारनाथ धाम पहुंचने वाली यात्रा में तीन दिन भाग लेने के बाद राजधानी लौटने पर कहा की अरबो रुपए के सोने का घोटाला करने वाले भाजपा कांग्रेस की केदारनाथ सम्मान यात्रा को लेकर कांग्रेस को ज्ञान ना दें। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि जैसे-जैसे करण माहरा और कांग्रेस के साथियों के दल के कदम पवित्र केदारनाथ धाम की तरफ बढ़ रहे हैं भाजपा सरकार की चूले हिलने लगी हैं और 4 अगस्त को खुद स्वयं कांग्रेस नेता राहुल गांधी पवित्र केदारनाथ आएंगे। इस खबर को सुनकर तो भाजपा का मानसिक दिवालियापन ही सामने दिखाई देने लगा है। उन्होंने कहा कांग्रेस से भाजपा में गए कुछ लोग भाजपाई खीर पुरी के चक्कर में कांग्रेस के खिलाफ बयान देने लगे हैं। उन्होंने कहा भाजपा में उन्हें खीर पूरी मिल जाए हमारी शुभकामनाएं। परंतु कांग्रेस को कोस कर वे भाजपा का कुछ भला कर सकेंगे इसकी संभावनाएं पानी में लकीरें खींचने की कोशिशें से ज्यादा काम नहीं है। उन्होंने कहा कि जब शंकराचार्य अवीमुक्तेश्वर नंद ने सोने के घोटाले को लेकर सवाल उठाए तो भाजपाई नेताओं को मिर्च लग गई। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा के नेतृत्व में जो यात्रा केदारनाथ जी की तरफ बढ़ रही है उससे भाजपा नेताओं की नींद हराम हो गई है और वह उलजलूल बयान देने लगे हैं।

उन्होंने कहा स्वयं पिछली सरकार में सचिवालय के चौथे तल को चलाने वाले रंजीत रावत युवा कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा भुल्लर सेवा दल की अध्यक्ष हेमा पुरोहित युवा कांग्रेस एनएसयूआई समेत तमाम पार्टी के फ्रंटल संगठन के नेता यात्रा में सड़कों पर है हजारों राज्य आंदोलनकारी कदम कदम पर यात्रा के साथ चल रहे हैं । कांग्रेस यात्रा दल का उत्साह ऊंचाइयों पर है और कल कल बारिश के बीच भी वह लोग लगातार पवित्र केदार धाम की तरफ बढ़ रहे हैं भाजपा के लोगों को भ्रष्टाचार से मुक्ति मिल नहीं पा रही और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत केदारनाथ के आगामी विधानसभा उपचुना में अपनी निश्चित हार को देखकर आपा खों बैठे है और पानी पी कर कांग्रेस को कोसने में लगे हैं जिससे जनता का और भाजपा का कोई भला होने वाला नहीं है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी, प्रदेश अध्यक्ष के सलाहकार अमरजीत सिंह, गिरीराज किशोर हिन्दवाण, आशीष नौटियाल, देवेन्द्र सिंह, बिश्म्बर दत्त बौठियाल, राजकुमार जयसवाल आदि उपस्थित थे।

समिति ने कारगिल शहीदों के साहस को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने भारतीय जवानों द्वारा कारगिल में शानदान विजय प्राप्त करने व उनके साहस को प्रणाम करते हुए श्रद्धांजलि दी।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति ने कारगिल में हुए शहीदों को कांवली रोड पर एक बैठक कर याद किया। समिति के कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज ही के दिन भारतीय जवानों द्वारा कारगिल में शानदार विजय प्राप्त की थी। समिति उनके इस साहस को प्रणाम करती है। स्मरण रहे कि भारतीय सैनिकों ने इस युद्ध में अपने प्राणों की आहुति भी दी थी। समिति ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा है कि कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने जो एकता दिखाई उसी के कारण ऐतिहासिक विजय हमें मिली समिति सदैव उनकी ऋणी रहेगी जिनके बलिदान के कारण पाकिस्तान जैसे देश को मुंह की खानी पड़ी थी। कारगिल के शहीदों को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, इम्तियाज अहमद, सुशील विरवानी, अतुल शर्मा, राम सिंह कश्यप, पारस यादव, अजीत वर्मा, प्रदीप कुकरेती, चिंतन सकलानी, दानिश नूर आदि उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्मल कालोनी हर्रावाला निवासी व्यक्ति ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी कुछ दिन पहले घर पर बिना बताये चली गई थी जो की अब वापस आ गई है जिसने उसे बताया कि निशान्त उसे अपने कमरे सेलाकुई ले गया था जहा पर निशान्त ने उसकी बेटी के साथ जबरदस्ती शरीरीक सम्बन्ध बनाये और वादा किया कि उससे शादी करेगा लेकिन अब निशान्त शादी करने से मना कर रहा है। निशान्त कुमार पुत्र शैलेश कुमार निवासी बिहार शरीफ (धमौली) का निवासी है उसने उसकी बेटी को शादी का झासा देकर उसके साथ गलत काम किया और किसी को इस बारे में बताते पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

परिषद ने कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने गांधी पार्क में स्थित कारगिल स्मारक पर पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज यहां उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उन अनाम शहीदों को गांधी पार्क में बने कारगिल स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल व जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि कारगिल विजय से पाकिस्तान के दांत खटटे हो गये थे। परिषद उन सैनिकों का सम्मान करती है जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह ना करते हुए पाकिस्तान को धूल चटा दी थी। देशवासी सदैव उनके ऋणी रहेंगे। कारगिल के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों ने नवनीत गुसांई, प्रभात डंडरियाल, सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, धर्मानंद भटट, सुशील विरमानी आदि मौजूद थे।

गर्भावस्था में पैरासिटामोल के प्रयोग से करें तौबा

गर्भावस्था के दौरान होने वाले छोटे मोटे दर्द के लिए पैरासिटामोल जैसी आम दर्द निवारक दवा लेने वाली महिलाओं को सावधान होना होगा क्योंकि एक नए अध्ययन में पता चला है कि इस तरह के दर्द निवारकों का प्रयोग करने से आने वाली पीढ़ियों की प्रजनन क्षमता कम होती जाती है। शोधार्थियों ने चूहों पर इस आशय का परीक्षण किया और पाया कि जब एक चूहिया को गर्भावस्था के दौरान सामान्य दर्द निवारक दवाएं दी गईं तो उसकी मादा संतान में अंडाणुओं की संख्या कम थी। कुछ ऐसा ही प्रभाव नर संतानों के जन्म पर भी देखने को मिला। उनके पास उन कोशिकाओं की कमी थी जो भविष्य में शुक्राणुओं की संख्या बढ़ा सकते थे। हालांकि वयस्क होने के समय तक उनकी प्रजनन प्रणाली सामान्य हो गई। शोध कर्ताओं ने कहा कि यह खोजें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनसे चूहों और इंसानों के बीच प्रजनन प्रणाली के बीच समानता को समझने में मदद मिलती है। इन नतीजों को देखते हुए शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि गर्भवती महिलाओं को जरूरत पड़ने पर कम से कम समय के लिए थोड़ी मात्रा में दर्द निवारक दवाएं लेनी चाहिए। यह अध्ययन साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

पुस्ते न होने के कारण घुसा घरों में पानी:धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने बाढ ग्रस्त इलाकों का दौरा करते हुए कहा कि नदी में पुस्ते ना होने के कारण लोगों के घरों में पानी घुस गया।

आज यहां देर रात रिस्पना नदी में आई बाड़ से प्रभावित इलाकों का उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने पैदल घूम कर प्रभावित लोगों से मुलाकात कर के नुकसान का जायजा लिया। कीचड़ व गंदे पानी से भरे इलाके में लगभग ढाई घंटे तक स्थितियों का आंकलन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से रिस्पना नदी में बसावट वाले इलाके में कहीं भी ना तो डिसिलटिंग का काम हुए ना ही गंदगी हटाई गई जिसके कारण नदी का भरान मिट्टी पत्थर व कूड़े से हो गया और नदी तल कई फूट ऊंचा हो गया जिससे ज्यादा वर्षा होने पर नदी का जल स्तर अपने आप पुस्ता पार कर जाता है और पानी बस्ती और घरों में घुस जाता है। धस्माना ने कहा कि सबसे पहले शिव मंदिर भगत सिंह कालौनी के पास से पुल तक व निवर्तमान पार्षद इलियास अंसारी के घर के सामने के पुस्ते का निर्माण होना चाहिए और उसके साथ ही कंडोली से लेकर नदी रिस्पना पुल विधानसभा तक डिसिल्टिंग का काम होना चाहिए। कांग्रेस उपाध्यक्ष ने कहा कि स्मार्ट सिटी स्मार्ट सिटी का शोर मचाने वाली सरकार जिला प्रशासन नगर निगम व स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के जिम्मेदारों को शहर की चालीस प्रतिशत आबादी की कोई चिंता नहीं है जो मलिन बस्तियों में रहती है। धस्माना को क्षेत्र की महिलाओं ने शिव मंदिर ले जा कर स्थितियां दिखाई और शिव मंदिर से लेकर पुल तक पुस्ता निर्माण करवाए जाने की मांग की। दूध की डायरी चलाने वाले अनिल यादव ने बताया कि उनके घर में पांच फुट पानी आ गया और घर का सारा सामान बर्बाद हो गया। किरयाने की दुकान चलाने वाले परवेज की दुकान का सारा सामान बर्बाद हो गया तो ई रिक्शा चला कर घर चलाने वाले पंकज कुमार दो दिन से घर से पानी निकाल रहा है और ध्याड़ी ना करने के कारण घर में कुछ नहीं है खाने को। धस्माना ने कहा कि वे कल दोपहर में नगर निगम आयुक्त व जिलाधिकारी से मुलाकात कर इस संबंध में ज्ञापन और मांगपत्र देंगे और राज्य की मुख्य सचिव से भी बाड़ सुरक्षा के बारे में मिलकर वार्ता करेंगे। धस्माना के साथ दौरे में क्षेत्र के निवर्तमान पार्षद इलियास अंसारी, महानगर कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश उनियाल, महामंत्री आनंद सिंह पुंडीर, नसीम, इमराना, बृज भान, अनिल यादव समेत अनेक क्षेत्रवासी साथ रहे।

एक ही दिन में दर्ज हुए कई दुपहिया वाहन चोरी के मुकदमें

देहरादून। प्राप्त जानकारी के अनुसार ईस्ट होप टाउन निवासी विनोद कुमार चावला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सात जुलाई को उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं शांति विहार अजबपुर निवासी धीरेन्द्र कोटियाल व मनोहर लाल निवासी त्यागी रोड ने एक्टिवा व स्कूटी दून अस्पताल के बाहर से चोरी होने का मुकदमा शहर कोतवाली में दर्ज कराया।

आईटीबीपी ने दिया फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी को प्रशंसा पत्र

संवाददाता

देहरादून। फोरगिंवनेस फाउंडेशन सोसायटी को आईटीबीपी के आईजी संजय गुंज्याल ने प्रशंसा पत्र दिया। आज यहां प्रख्यात सामाजिक संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी के संस्थापक और अध्यक्ष मनोवैज्ञानिक डॉ. पवन शर्मा (द साइकेडेलिक) को आई टी बी पी के आई जी संजय गुंजयाल (आई पी एस) ने बीते दिनों में आईटीबीपी के जवानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल और जागरूकता के लिए दी गई निशुल्क सेवाओं के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया। संस्था द्वारा जवानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य की कार्यशाला और काउंसिलिंग की सेवायें दी गईं जिससे जवानों को मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाये रखने में सहायता मिली। संजय गुंजयाल ने मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्था द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं निशुल्क प्रदान करती है और इस क्षेत्र में निरंतर विकास और जागरूकता के लिए नये प्रयोग और अनुसंधान करती रहती है। इस अवसर पर भूमिका भट्ट और डिप्टी कमांडेंट श्रीमती देशरत्न भी उपस्थित थे।

वन अधिकारियों द्वारा गूजरों के उत्पीड़न पर पीसीसीएफ चीफ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। वन पंचायत संघर्ष मोर्चा ने वन अधिकारियों द्वारा गूजरों के उत्पीडन के विरोध में पीसीसीएफ चीफ को ज्ञापन सौंपा।

आज विभिन्न संगठनों के प्रतिनिध मंडल ने वन पंचायत संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष तरूण जोशी के नेतृत्व में पीसीएफ चीफ समीर सिन्हा को ज्ञापन सौपते हुए बताया कि वन प्रभाग तराई पूर्वी व पश्चिमी के अधिकारी वन तस्करी की शिकायत का संज्ञान लेने की जगह उल्टा शिकायतकर्ता को ही धमकाने और उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहे है। 5 जून को तराई पश्चिमी वन प्रभाग की आम पर पोखरा रेंज में अवैध सागौन की लकड़ी काटे जाने की शिकायत डीएफओ से व टाल फ्री नंबर पर की गई थी। डीएफओ ने शिकायत अवैध कटान के खिलाफ कार्रवाई करने की जगह उल्टा शिकायतकर्ता को ही धमकी देने लगे। 17 जुलाई को रनसाली रेंज में भी वन गूजरों ने तस्करों द्वारा ट्रैक्टर ट्राली पर ले जाई जा रही शीशम, खैर, रोनी आदि की लकड़ियां बरामद कर ट्राली वन विभाग के सुपुर्द की थी लेकिन वन विभाग के अधिकारी शिकायत करने वाले गुलाम रसूल को ही धमकाने लगे। वन विभाग के कर्मचारियों ने फर्जी आरोप लगाकर शिकायत कर्ता की बाइक ही सीज कर दी और उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है। प्रतिनिधि मंडल में वन पंचायत संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अरुण जोशी, समाजवादी लोकमंच के संयोजक मुनीष कुमार, उत्तराखंड किसान सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सजवान, वन गुर्जर मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद कासिम, गुलाम रसूल व मौ गनी , महिला एकता मंच की संयोजक ललिता रावत, सरस्वती जोशी, सरपंच जगदीश चंद्र, किसान संघर्ष समिति के संयोजक ललित उप्रेती, राजेन्द्र सिंह, लक्ष्मी सिंह इत्यादि शामिल रहे।

प्रेगनेंसी में इन लक्षणों से समझें मिसकैरेज का खतरा, पहले से ही रहें सतर्क

प्रेगनेंसी के दौरान अपने और अपने बच्चे की हेल्थ का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। कई बार कुछ लक्षण मिसकैरेज के खतरे का संकेत हो सकते हैं। अगर इन लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए तो परेशानी बढ़ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे लक्षणों के बारे में बता रहे हैं जिनसे मिसकैरेज का खतरा हो सकता है। अगर ये लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और सतर्क रहें।

अगर प्रेगनेंसी के दौरान भारी रक्तस्राव हो रहा है तो यह मिसकैरेज का संकेत हो सकता है। हल्का रक्तस्राव सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर रक्तस्राव तेज हो और उसमें रक्त के थक्के भी हों, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

तेज पेट दर्द

प्रेगनेंसी में हल्का दर्द सामान्य है, लेकिन अगर पेट में बहुत तेज दर्द हो और यह दर्द लगातार बना रहे, तो यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। अगर आराम करने पर भी दर्द कम नहीं हो रहा, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।यह मिसकैरेज का लक्षण हो सकता है।

कमर में तेज दर्द

प्रेगनेंसी में हल्का कमर दर्द आम है, लेकिन अगर कमर में बहुत तेज और लगातार दर्द हो, तो यह मिसकैरेज का लक्षण हो सकता है। ऐसे दर्द को नजरअंदाज न करें। अगर आराम करने पर भी दर्द ठीक नहीं हो रहा, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

गर्भावस्था के लक्षणों का अचानक गायब होना

अगर अचानक गर्भावस्था के लक्षण जैसे मतली, उल्टी, और स्तनों में सूजन खत्म हो जाएं, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। यह मिसकैरेज का संकेत हो सकता है। ऐसे में घबराएं नहीं, लेकिन तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।।समय पर सही सलाह और इलाज से आप और आपका बच्चा सुरक्षित रह सकते हैं। इसलिए इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें और सतर्क रहें।

फ्लू जैसे लक्षण

अगर आपको बुखार, ठंड लगना, और बदन दर्द जैसे फ्लू के लक्षण महसूस हों तो यह संक्रमण का संकेत हो सकता है। प्रेगनेंसी में संक्रमण मिसकैरेज का कारण बन सकता है, इसलिए सतर्क रहें और डॉक्टर से संपर्क करें।

प्रेगनेंसी के दौरान अपना ध्यान रखना और शरीर के संकेतों को समझना बहुत जरूरी है। अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण दिखें तो घबराएं नहीं, लेकिन तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। सही समय पर इलाज से मिसकैरेज के खतरे को कम किया जा सकता है और आप और आपका बच्चा स्वस्थ रह सकते हैं। हमेशा सतर्क रहें और अपनी सेहत का ध्यान रखें। (आरएनएस)

सूरज की रोशनी से बेहतर होगी बच्चों की आंखें

आज के युग में यदि आपके बच्चे अगर स्मार्टफोन पर घंटों समय बिताते हैं,गेम खेलते रहते हैं और कम्प्यूटर या टैबलेट पर अधिक समय काम करते हैं, तो उनकी आंखों की रोशनी कमजोर पड़ने की संभावना ज्यादा रहती है। मगर चिंता छोड़िए और उन्हें खेलने के लिए बाहर भेजिए। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बच्चे हर रोज कम से कम दो घंटे बाहर सूरज की रोशनी में खेलते हैं,तो उनकी आंखें कमजोर होने से बच सकती हैं। इस रोग में पास की नजर कमजोर होती है। इसमें पास की चीजें धुंधली दिखाई देती हैं। इस कारण दूर की वस्तुओं का प्रतिबिंब स्पष्ट नहीं बनता (आउट ऑफ फोकस) और चींजें धुंधली दिखती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस परिस्थिति का कारण है आंखों के लिए प्राकृतिक रोशनी की कमी। लंदन में मूरफील्ड्स आई हॉस्पिटल में ओप्थाल्मोलॉजिस्ट की सलाहकार एनेग्रेट डाल्मान-नूर ने कहा कि इसमें मुख्य कारण सीधे तौर पर सूरज की रोशनी में कम रहना है। जो बच्चे अधिक पढ़ते हैं, अधिक रूप से कम्प्यूटर,स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल करते हैं और जिन्हें बाहर खेलने-कूदने का कम अवसर मिलता है, उनमें यह कमी साफनजर आती है।

पेरेंट्स के लिए बच्चों को इन डिवाइस के इस्तेमाल से रोकना बड़ा काम है। इसमें विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों को जितना हो सके,उतने अधिक समय के लिए बाहर खेलने के लिए लेकर जाएं। आज के समय में बच्चों के बीच निकटदृष्टि दोष की समस्या आम बात हो गई है। निकटदृष्टि दोष को रोकने का सही तरीका बाहर अधिक से अधिक समय बिताना है। इसमें दो घंटे बाहर बिताने से बच्चों में इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों को ओमेगा-3 की डाइट देना जरूरी है। इसके साथ ही उन्हें विटामिन-ए, सी और ई की भी जरूरत होगी, जो उनकी आंखों के लिए अच्छी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें बच्चों की नियमित रूप से आंखों की जांच भी मददगार साबित हो सकती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बॉडीवॉश घर पर खुद ऐसे बनाकर करें इस्तेमाल

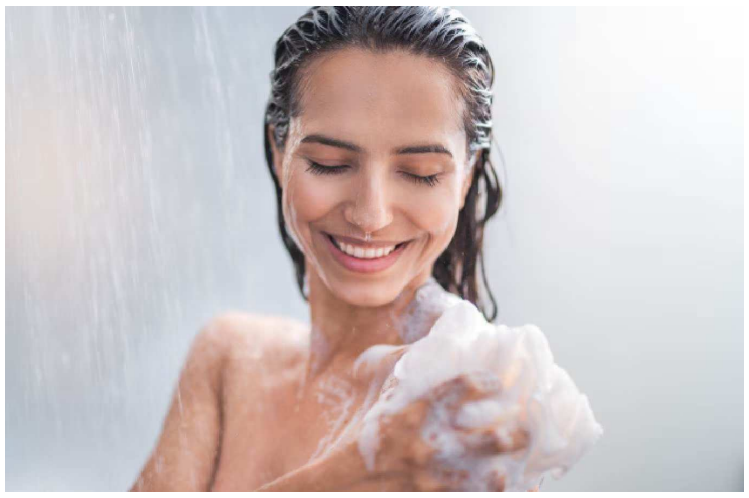

बॉडीवॉश का चलन काफी बढ़ गया है क्योंकि यह साबुन की तुलना में त्वचा पर हार्श नहीं होता और गहराई से साफ करने के साथ-साथ त्वचा को मॉइश्चराइज भी करता है।वैसे तो बाजार में कई तरह के बॉडीवॉश मौजूद है, लेकिन उनमें मौजूद कृत्रिम तत्व और रसायन त्वचा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।आइए आज हम आपको घर पर बॉडीवॉश बनाने के 5 तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल त्वचा के लिए सुरक्षित और लाभदायक साबित हो सकता है।

त्वचा को पोषित करने वाला बॉडीवॉश

सबसे पहले एक कटोरे में आधा कप बिना चीनी वाला नारियल का दूध, थोड़ा बिना गंध वाला लिक्विड कैस्टाइल साबुन, 2 बड़ी चम्मच जोजोबा तेल, 1 बड़ी चम्मच ग्लिसरीन, 1 चम्मच कच्चा शहद और टी ट्री तेल की कुछ बूंदें डालकर अच्छे से मिलाएं।अब इस मिश्रण को किसी बोतल में डालें। इसके बाद जब नहाने का समय हो तो बॉडीवॉश को नहाने वाले स्पंज पर डालकर इस्तेमाल करें।इस बॉडीवॉश का इस्तेमाल आप 1 साल तक कर सकते हैं।

त्वचा पर झुर्रियों और महीन रेखाओं के प्रभाव को कम करने वाला बॉडीवॉश

इसके लिए पहले आधा कप लिक्विड कैस्टाइल साबुन को एक बोतल में डालें, फिर इसमें आधा कप शहद, 1 बड़ी चम्मच अरंडी का तेल और 2 बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं।इसके बाद मिश्रण को अच्छे से मिलाने के बाद इसमें अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं, फिर जब चाहें इसका नहाने के लिए इस्तेमाल करें।इस बॉडीवॉश की शेल्फ लाइफ लगभग 6 महीने होगी।

त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित करने वाला बॉडीवॉश

सबसे पहले एक बड़ी पंप डिस्पेंसर वाली बोतल में आधा कप लिक्विड कैस्टाइल साबुन, 4 बड़ी चम्मच शुद्ध नारियल का तेल, 1 बड़ी चम्मच ग्लिसरीन, 1 बड़ी चम्मच विटामिन-ई का तेल और किसी भी खट्टे फल से बने एसेंशियल ऑयल की 20-30 बूंदें डालकर अच्छे से मिलाएं।अब इस मिश्रण का इस्तेमाल नहाने के लिए करें।यह बॉडीवॉश लगभग दो साल तक आराम से इस्तेमाल किया जा सकता है।

त्वचा के संक्रमण को दूर करने वाला बॉडीवॉश

सबसे पहले एक बोतल में डेढ़ कप लिक्विड कैस्टाइल साबुन 4 चम्मच ग्लिसरीन मिलाएं, पुदीने के तेल की 10 बूंदें और लौंग के तेल की 15 बूंदें डालकर अच्छी तरह से मिलाएं।आप चाहें तो इस मिश्रण में कुछ टी ट्री तेल या लैवेंडर तेल की भी बूंदें मिला सकते हैं।इसके बाद इस बॉडीवॉश का इस्तेमाल करें। यह कम से कम 1 साल तक आपके काम आ सकता है।

त्वचा के रूखेपन से छुटकारा दिलाने वाला बॉडीवॉश

सबसे पहले एक पंप वाली डिस्पेंसर बोतल में डेढ़ कप लिक्विड कैस्टाइल साबुन, 4 चम्मच ग्लिसरीन, पुदीने के तेल की 10 बूंदें और इलंग-इलंग एसेंशियल तेल की 10 बूंदें डालकर अच्छे से मिलाएं।अब इस मिश्रण का इस्तेमाल बॉडीवॉश के तौर पर करें। यह उन लोगों के लिए ज्यादा फायदेमंद है, जिनकी त्वचा मिश्रित प्रकार की है।इस बॉडी वॉश की शेल्फ लाइफ एक साल है।यहां जानिए त्वचा के प्रकार के अनुसार फेसवॉश बनाने के तरीके। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -67

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

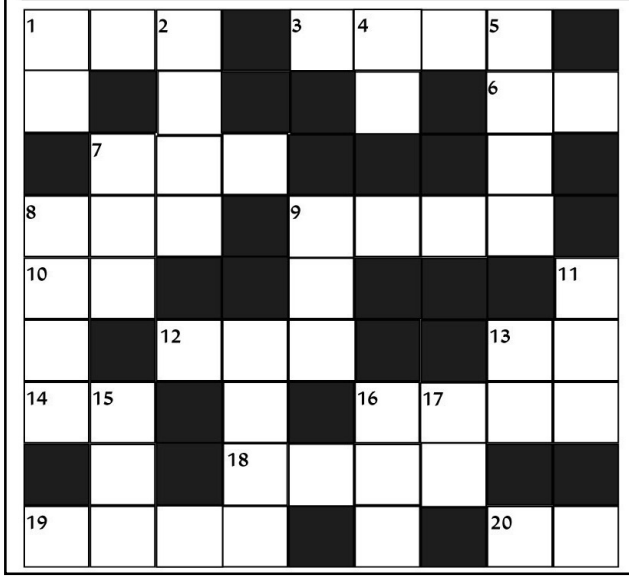

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 66 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

कांतारा चैप्टर 1 में मशहूर अभिनेता जयराम की हुई एंट्री

कांतारा साल 2022 की बेहद चर्चित और सफल फिल्म रही थी। फिल्म से ऋषभ शेट्टी रातों-रात पूरे देश में मशहूर हो गए थे। फिल्म का निर्देशन और लेखन के साथ-साथ उन्होंने मुख्य किरदार भी निभाया था। भारतीय लोक कथाओं पर आधारित इस फिल्म को काफी तारीफें मिली थीं। फिल्म के रिलीज के बाद से ही दर्शक इसके दूसरे भाग की मांग करने लगे थे, जिसके बाद निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग का एलान भी कर दिया। हालांकि, यह फिल्म पहले भाग की प्रीक्वल होगी।

ऋषभ शेट्टी फिलहाल कांतारा-चैप्टर 1 को लेकर व्यस्त हैं। वह इस फिल्म को पहले भाग से अधिक भव्य और बेहतरीन बनाने में कोई कसर छोडऩा नहीं चाहते। पिछले साल मेकर्स के तरफ से इसकी एक झलक भी जारी की गई थी, जिसके बाद दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे। टीजर से यह साफ दिख रहा था कि मेकर्स इसे और भी ज्यादा भव्य बनाना चाहते हैं। इस वजह से इस बार फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा बढ़ा दिया गया है। अब खबरें आ रही हैं कि कांतारा- चैप्टर 1 में एक बड़े स्टार को शामिल किया गया है।

पोर्ट्स के मुताबिक, कांतारा-चैप्टर 1 में मलयालम फिल्मों के स्टार अभिनेता जयराम भी नजर आने वाले हैं। उन्होंने कर्नाटक में फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। बता दें कि जयराम साउथ फिल्मों के जाने माने कलाकार हैं। हाल में ही वह सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे।

कांतारा- चैप्टर 1 से जयराम के जुडऩे की खबर तेजी से फैल रही है। उनके फैंस इस से काफी उत्साहित हैं। बताते चलें कि कांतारा 30 सितंबर 2022 को कर्नाटक में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसकी सफलता को देखते हुए इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया गया। डबिंग के बाद फिल्म 14 अक्टूबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों का जबर्दस्त प्यार मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी अच्छा कारोबार किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 16 करोड़ में बनी फिल्म ने 400 करोड़ के आसपास की कमाई की थी। फिल्म की कई सितारों और समीक्षकों ने भी सराहना की थी।(आरएनएस)

फिल्म औरों में कहां दम, अजय-तब्बू की दिखी शानदार केमिस्ट्री

नीरज पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म औरों में कहां दम था पिछले कुछ समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। अजय की यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में शुमार है। इस फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी देखने को मिलेगी। दोनों ने कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। अब औरों में कहां दम था का नया गाना जहां से चले थे रिलीज हो गया है, जिसमें अजय-तब्बू की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

अजय देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म औरों में कहां दम था एक अधूरी प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। यह फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अजय देवगन ने कृष्णा और तब्बू ने वसुधा का किरदार निभाया है। फिल्म में अजय और तब्बू के अलावा जिम्मी शेरगिल ने भी मुख्य भूमिका निभाई है।

गोल्डन ग्लोब और ऑस्कर पुरस्कार विजेता एम एम कीरावणी उर्फ एम एम क्रीम ने फिल्म औरों में कहां दम था का गाना जहां से चले गाना कंपोज किया है। निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे की फिल्म औरों में कहां दम था के इस गाने में कृष्णा और वासु की प्रेम कहानी को बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है।

इस गाने में 23 सालों के लंबे इंतजार के बाद फिर से दो बिछड़े प्रेमी किस तरह से दोबारा मिलते हैं, उसको दर्शाया गया है। इस गाने में कृष्णा और वसुधा के उस पल को दर्शाया गया, जब ये दोनों एक-दूजे से जुदा हो जाते हैं। जहां से चले गाने को सुनिधि चौहान और जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज दी है। इस गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है।

फिल्म में अजय-तब्बू और जिम्मी शेरगिल के अलावा सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी ने भी अहम भूमिका निभाई है। औरों में कहां दम था 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

टीवी एक्ट्रेस चारुल मलिक ने कहा, हर समय प्रेजेंटेबल दिखना जरूरी

टीवी एक्ट्रेस चारुल मलिक ने कहा कि हर समय प्रेजेंटेबल दिखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति को अपने लिए करना चाहिए, दूसरों के लिए नहीं।

भाभीजी घर पर हैं की एक्ट्रेस ने कहा, आपका प्रेजेंटेबल दिखना जरुरी है, मगर यह आपको सिर्फ अपने लिए करना है। जब आप प्रेजेंटेबल दिखते हैं, अच्छे कपड़े पहनते हैं और अपने बालों को अच्छे से बनाते है, तो आपको एक अलग ही तरह के आत्मविश्वास का अनुभव होता है। साथ ही लोग आपको नोटिस करते हैं। इससे बहुत फर्क पड़ता है।

ग्रूमिंग के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है, चाहे आप पेशेवर हो या न हो आपको अपने आप को अच्छे से रखना चहिए।

चारुल का मानना है कि लोग उन लोगों से प्रभावित होते हैं जो अच्छा बोलते हैं और अच्छे दिखते हैं।

उन्होंने कहा, यह मानवीय प्रवृत्ति है कि हम अपने सामने वाले व्यक्ति को देखते हैं और उसका मूल्यांकन करते हैं। वास्तव में, मैं उनके जूतों को भी देखती हूं, और उससे मुझे पता चलता है कि वह व्यक्ति अच्छी तरह से तैयार है या नहीं। मेरी नजर उन लोगों को आंकती है जो अपना ख्याल रखते हैं क्योंकि जो व्यक्ति अपना ख्याल रखकर अच्छा दिखता है, वह मेरी नजर में खास है।

एक्ट्रेस ने कहा मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप जिससे मिल रहे हैं उससे आपकी वाइब मिलनी चहिए, अन्यथा, यह पहली मुलाकात से आगे नहीं बढ़ पाता।

मुझे उन लोगों से फिर से मिलना पसंद है, जिनसे मेरी वाइब मिलती हो, नहीं तो मेरा उनसे कोई मतलब नहीं है।

आप किसको सबसे अच्छा दिखने वाला व्यक्तित्व मानती हैं, इस पर चारुल ने कहा, मेरे हिसाब से, वह अमिताभ बच्चन हैं। अपनी उम्र के बावजूद, वह सक्रिय रहते हैं और अपने शो या अन्य जगहों पर बेहतर तरीके से बात करते हैं। उनका आभामंडल कुछ और ही है और उनकी वाइब भी बहुत सकारात्मक है। मैं वास्तव में उनसे प्रेरणा लेती हूं।

खुले बाल और साड़ी पहने बला की खूबसूरत लगीं श्रद्धा दास

साउथ फिल्मों की खूबसूरत अभिनेत्री श्रद्धा दास आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सादगी से फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस भरी अदाएं देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग लुक देखकर फैंस की नजरें नहीं हट पा रही हैं।

श्रद्धा दास ने अपने इस लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ग्रीन कलर की साड़ी पहनी हुई है साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहना हुआ है।

ओपन हेयर, माथे पर काली बिंदी और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

श्रद्धा दास जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास कैमरे के सामने एक से बढक़र एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा दास सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

ओली के भगवान कार्ल मार्क्स!

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कई बार कहा है कि ईश्वर का अस्तित्व नहीं है और अगर कभी कोई ईश्वर रहा है तो वो सिर्फ कार्ल मार्क्स थे। 2018 में प्रधानमंत्री बनते ही ओली ने वह सब कुछ किया जिसकी धार्मिक और सनातन परंपरा में विश्वास करने वाले इस देश में कल्पना भी नहीं की गई थी।

ओली को अपनी कम्युनिस्ट पहचान मजबूत करने और चीन के साथ खड़े दिखने का इतना उतावलापन था कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते हुए ईश्वर का नाम लेने से इंकार कर दिया, यह बुद्ध और विष्णु की भूमि के लिए बेहद अप्रत्याशित घटना थी।

इसके बाद भारत के प्रधानमंत्री जब नेपाल गए तो पीएम नरेन्द्र मोदी ने जनकपुर में पूजा की लेकिन ओली ने नहीं की। ओली यहीं नहीं रुके उन्होंने चीन के इशारे पर नेपाल का अपना नया नक्शा जारी कर भारतीय क्षेत्रों कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख को शामिल कर इन्हें अपने देश के इलाके बताया, राम जन्मभूमि को नेपाल में ही बताया और चीन के लिए अपने देश के दरवाजे खोल दिए।

ओली ने सत्ता में रहते भारत और नेपाल के संबंधों को प्रभावित करने के लिए धार्मिक, ऐतिहासिक और सामरिक रूप से तथ्यों को उलट-पुलट कर भारत से सीमा विवाद को बढ़ाया और इसे राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़ दिया।

चीन की यात्रा की और उन्होंने चीन के साथ ट्रेड एंड ट्रांसपोर्टेशन अग्रीमेंट यानी व्यापार एवं परिवहन समझौता कर लिया। ओली का यह कदम भारत को चुनौती देने वाला रहा और यहीं से भारत और नेपाल के कूटनीतिक रिश्ते भी प्रभावित हुए बिना न रह सके। ओली के भगवान कार्ल मार्क्स चीन में भी पूजे जाते हैं।

चीन ने नेपाल में अनेक परियोजनाएं आक्रामक ढंग से शुरू की हैं। तिब्बत से सीधी सडक़ भारत के तराई क्षेत्रों तक बनाई, रेल मार्ग नेपाल की कुदारी सीमा तक बनाया, नेपाली कम्युनिस्ट और माओवादी गुटों को आर्थिक और सैनिक मदद से चीन का समर्थन और आम नेपालियों में उनके द्वारा भारत विरोधी भावनाएं भडक़ाने की साजिशें रची गई। ओली की चीन परस्त और भारत विरोधी नीतियों के कारण चीनी सामानों की नेपाल के रास्ते भारत में डम्पिंग, माओवादी हिंसा के जरिए नेपाल से आंध्र- तमिलनाडू तक रेड कॉरिडोर में भारत को उलझाएं रखना, पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई की नेपाल में लगातार गतिविधियां, तस्करी और आतंकवादियों का भारत में प्रवेश सुलभ हुआ है।

कई शताब्दियों तक राजशाही को स्वीकार करने वाले इस देश में 2007 में अंतरिम संविधान बनने के बाद राजतंत्र को खत्म तो कर दिया गया था लेकिन वामपंथ के उभार से लोकतंत्र स्थापित करने के सपने चकनाचूर हो गए। कार्ल मार्क्स की दो किताबों कम्युनिस्ट घोषणापत्र और दास कैपिटल ने दुनिया के कई देशों और करोड़ों लोगों पर राजनीतिक-आर्थिक रूप से निर्णयात्मक असर डाला है। कम्युनिस्ट घोषणापत्र में मार्क्स ने पूंजीवादी समाज में वर्ग संघर्ष की बात की है और बताया है कि कैसे अंततः संघर्ष में सर्वहारा वर्ग पूरी

दुनिया में बुर्जुआ वर्ग को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लेगा। मार्क्स ने धर्म को जनता के लिए अफीम के रूप में वर्णित किया है। कम्युनिज्म धर्म को नहीं मानता और बुद्ध के विचारों में सनातन धर्म की समानता निहित है। ओली नेपाल को चीन जैसा बना देना चाहते है।

भारत के लिए मुश्किल यह है कि नेपाल के सांस्कृतिक इतिहास और परंपराओं में सनातन धर्म और बुद्ध की मान्यताओं के चलते उसकी भारत से निकटता खत्म नहीं होने दे। ओली के भगवान मार्क्स, भारत के आंतरिक सुरक्षा के सबसे बड़े खतरे नक्सलियों के भी आदर्श पुरु ष हैं। भारत के मध्य, दक्षिणी और पूर्वी भागों को मिला कर बना रेड कॉरिडोर ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड में प्रमुख रूप से केंद्रित 11 राज्यों को कवर करता है।

नेपाल से शुरू हुए इस गलियारे में नेपाल की भूमिका बड़ी महत्त्वपूर्ण है। नेपाल ने इस क्षेत्र के लड़ाकों के साथ हथियारों, रणनीतियों और प्रशिक्षण योजनाओं और कई अन्य सामरिक हथियारों का भी खूब आदान-प्रदान किया है। ओली माओवादी संगठन से जुड़े हैं, और हिंसा के चलते नेपाल की जेल में भी रह चुके हैं। चीन निर्मित हथियारों के जरिए नक्सली भारतीय सुरक्षा बलों को हमले करते हैं। नक्सली हिंसा का इतिहास लंबा है। भारत सरकार इसे खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेपाल और भारत करीब अठारह सौ पचास किमी. से अधिक लंबी सीमा साझा करते हैं, जिससे भारत के पांच राज्य सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जुड़े हैं। दोनों देशों की सीमाओं से यातायात पर कभी कोई विशेष प्रतिबंध नहीं रहा। सामाजिक-आर्थिक विनिमय बिना किसी गतिरोध के चलता रहता है। भारत नेपाल की सीमा खुली हुई है और आवागमन के लिए किसी पासपोर्ट या वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। भारतीय सेना की गोरखा रेजिमेंट से चीन भी डरता है क्योंकि भारत-चीन तनाव में गोरखा चीन को भौगोलिक रूप से ज्यादा चुनौती देते हैं। पिछले कुछ सालों में चीन ने यह जानने में दिलचस्पी दिखाई है कि आखिर, नेपाली गोरखा भारतीय सेना में जाना क्यों पसंद करते हैं। भारतीय सेना में नेपाली गोरखाओं का स्थान इतना उच्च है कि पाकिस्तान और चीन से लड़ाई में गोरखा रेजिमेंट के बलिदान को सदैव याद किया जाता है। वर्तमान में हर वर्ष बारह सौ से तेरह सौ नेपाली गोरखे भारतीय सेना में शामिल होते हैं। गोरखा राइफल्स में लगभग 80 हजार नेपाली गोरखा सैनिक हैं। इसके अतिरिक्त रिटार्यड गोरखा जवानों और असम राइफल्स में गोरखों की संख्या करीब एक लाख है। भारतीय सेना से रिटार्यड नेपाली गोरखाओं की तादाद तकरीबन एक लाख पैतीस हजार है।

इनकी सैलरी और पेंशन मिला दें तो यह रकम 62 करोड़ डॉलर है। यह नेपाल की जीडीपी का तीन फीसद है। दूसरी तरफ नेपाल का रक्षा बजट महज 43 करोड़ डॉलर है यानी नेपाल के रक्षा बजट से ज्यादा भारत से नेपाली गोरखाओं को हर साल सैलरी और पेंशन मिल रही है। अग्निवीर योजना का नेपाल में विरोध हो रहा है। भारत भी इसे लेकर आशंकित हो सकता है कि ओली कहीं चीन में गोरखाओं की भर्ती को लेकर कोई समझौता नहीं कर लें। बहरहाल, ओली के भगवान कार्ल मार्क्स, नक्सलियों से उनके संबंध और चीनपरस्त नीतियां भारत को आशंकित करती हैं। उनका नेपाल की सत्ता में राजनीतिक रूप से मजबूत होना भारत की परेशानियां बढ़ा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

चिकित्सा पेशे के सामने मुश्किलें

डॉ संजना ब्रह्मवार मोहन

स्वास्थ्य सेवा के 'व्यवसायीकरण' को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। उदाहरण के लिए, किडनी प्रत्यारोपण के बारे में आये दिन खबरें आती रहती हैं। ऐसी स्थिति को संज्ञान में लेते हुए इस वर्ष चिकित्सक दिवस (एक जुलाई) को लागू हुए भारतीय न्याय संहिता में यह प्रावधान किया गया है कि लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों को जेल भेजा जा सकता है। नीट परीक्षा में कई गड़बड़ियों और पीजी प्रवेश परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने से देश का ध्यान चिकित्सा शिक्षा की ओर गया है। परीक्षा प्रक्रियाओं को दुरुस्त करने के साथ-साथ यह देखना भी जरूरी है कि और क्या-क्या किया जाना चाहिए, जिससे हमारे डॉक्टर बहुत अच्छा काम कर सकें। राजस्थान के ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र में बुनियादी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के अपने एक दशक के काम के दौरान हमने बड़ी संख्या में युवा डॉक्टरों के साथ काम किया है तथा प्राथमिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के बहुत चिकित्सकों से भी हमारा संपर्क रहा है। डॉक्टरों को ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए हमने कार्यशालाएं भी आयोजित की है। इन अनुभवों के आधार पर कुछ प्राथमिकताओं को इस लेख में रेखांकित किया जा रहा है।

यह एक धारणा है कि पहले के डॉक्टर आज के चिकित्सकों की अपेक्षा कहीं अधिक जानते थे। कई लोगों को याद होगा कि किसी दौर में डॉक्टर एक ब्रीफकेस लेकर मरीज के घर आते थे और उसे देखकर वहीं दवाई दे देते थे या लिख देते थे। वे डॉक्टर अब कहीं नहीं दिखते। पहले मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ती थी और शिक्षक भी पूरी तरह समर्पित होते थे। अब यह कमजोर होता जा रहा है। कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने बताया कि कॉलेज में उनकी मौजूदगी का मतलब नहीं है और वे घर पर ही अधिकांश पढ़ाई करते हैं। उन्होंने अफसोस के साथ कहा कि उनके शिक्षकों के पास उनके लिए समय नहीं है। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने एक मेडिकल छात्र को डांटा था कि उसका काम रोगी का उपचार है, उसके प्रति हमदर्दी रखना नहीं। निजी मेडिकल कॉलेजों से आनेवाली कहानियां भी हमने सुनी हैं। वहां के छात्र धनी परिवारों से आते हैं और कक्षाओं में उनकी रुचि बहुत कम होती है। पढ़ाई के बाद उनमें से अधिकतर अपना अस्पताल खोल लेते हैं। प्रबंधन भी शिक्षकों पर छात्रों को पास कर देने के लिए दबाव बनाता है। डॉक्टरों का एक तीसरा समूह भी तेजी से बढ़ रहा है, जो चीन, रूस और अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों से पढ़कर आते हैं। भारतीय कॉलेजों में पढ़ाई की खराब गुणवत्ता के बावजूद यहां पढ़े डॉक्टरों और विदेश से पढ़कर आये डॉक्टरों में बड़ा अंतर है। रोगियों से बात करने में सूचनाओं का स्पष्ट प्रवाह नहीं होता तथा कई डॉक्टर दवाओं के बारे में बुनियादी जानकारी भी नहीं रखते। यह स्थिति ठीक नहीं है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि डॉक्टरों के पास जानकारी और कौशल हो तथा उनमें हमदर्दी की भावना हो।

कुछ माह पहले हमारे एक डॉक्टर को उनके एक डॉक्टर मित्र का फोन आया कि एक मरीज को मलेरिया हुआ है, उसे क्या दवा दी जाए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में अकेले कार्यरत डॉक्टर से ऐसे सवाल की अपेक्षा की जा सकती है क्योंकि उन्हें एक ही दिन में कई तरह केजी मरीजों को देखना पड़ता है। इसी वजह से हम जैसे कई डॉक्टरों को एक समूह बनाना पड़ा है। हम अपने सवाल समूह में पोस्ट कर देते हैं या मार्गदर्शन के लिए किसी विशेषज्ञ से बात करते हैं। हम ऑनलाइन माध्यम से हर सप्ताह मिलते हैं तथा नयी जानकारियों, रोगों के अध्ययन और अन्य सवालों को साझा करते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत डॉक्टरों समेत शहरों में अस्पतालों में काम कर रहे चिकित्सकों से चर्चा में हमने पाया है कि किसी संदेह की स्थिति में परामर्श करने के लिए उनके पास बहुत कम मित्र या वरिष्ठ डॉक्टर उपलब्ध हैं। हमें डॉक्टरों के लिए ऐसी व्यवस्था स्थापित करनी चाहिए, जिसके माध्यम से वे अपने सवालों के जवाब पा सकें तथा नयी जानकारियों को उन्हें मुहैया कराया जा सके। जरूरी नहीं है कि ऐसी जानकारियां उन्हें दवा कंपनियों से ही मिलें। पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए परीक्षा प्रणाली लाने की बात हो रही है। यह ठीक है, पर हमें और भी बहुत कुछ करना होगा।

हम विचार करें कि समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर कैसी खबरें चलती रहती हैं। इन दिनों विश्व कप जीतने और एक उद्योगपति के घर शादी की चर्चाएं हैं। अवैध किडनी प्रत्यारोपण की खबरें ध्यान खींचती हैं, पर उन घटनाओं की सुध क्यों नहीं ली जाती, जिनमें जीवन रक्षा होती है? कुछ दिन पहले हमारे एक क्लिनिक से एक महिला रोगी को 120 किलोमीटर दूर उदयपुर के एक अस्पताल में रेफर किया गया। वहां जाने में उसकी हालत और बिगड़ गयी, पर तुरंत जरूरी उपचार से उसे बचा लिया गया। ऐसी खबरें भी प्रसारित होनी चाहिए। इसका महत्वपूर्ण प्रभाव डॉक्टरों पर भी होगा, जिनका अपने पेशे के बारे में एक नजरिया है, और समाज पर भी, जो डॉक्टरों को अपनी नजर से देखता है। इन दिनों भारतीय न्याय संहिता और किडनी प्रत्यारोपण के अवैध तंत्र के बारे में चर्चाएं चल रही हैं। हम थोड़ा ठहर कर यह याद करने की कोशिश करें कि हमने पिछली बार कब यह चर्चा की थी कि हमारे युवा चिकित्सक और मेडिकल के छात्र कैसी हालत में रहते हैं और किस प्रकार अपनी पढ़ाई और अपना काम करते हैं? जब ये डॉक्टर हर रोज जिंदगियां बचाते हैं, तब क्या हम उस पर खुशी जताते हैं और उनकी सराहना करते हैं? हमें यह अच्छी तरह से याद है कि कोरोना महामारी के दौरान डॉक्टरों ने कितनी शानदार भूमिका निभायी थी।हमें ऐसी कहानियों को निरंतर कहते रहना होगा। इनकी अनुपस्थिति और नकारात्मक कहानियों की सतत उपस्थिति से एक क्षोभ पैदा होता है, जो खतरनाक हो सकता है। कुछ साल पहले मध्य राजस्थान के एक अस्पताल में प्रसव के दौरान एक महिला की मृत्यु हो गयी थी। मीडिया और परिजनों की प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी। लेकिन जो दुखद त्रासदी उसके बाद हुई, वह अपेक्षित नहीं थी। जो डॉक्टर उस महिला का उपचार कर रही थी, वह तनाव को बर्दाश्त नहीं कर पायी और उसने अपनी जान ले ली। आज जो स्थिति है, उसे चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के अपने प्रयास में हमें चुनौतियों को टुकड़ों में नहीं, उनकी समग्रता में देखना चाहिए।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

लाठी डण्डों से हमला करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। लाठी डण्डों से हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घिसरपडी हरबंशवाला निवासी गुलफाम अली ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि शाम साढे सात बजे लगभग उसका पुत्र मौहम्मद शाद व उसका मित्र मौहम्मद दानिश पुत्र मासूम अली ऋषि विहार में दुकान पर चाउमीन खाने गये तभी अंकित बुटोला, कार्तिक पोखरियाल, प्रियांशु व कुछ अन्य युवक हाथो में लाठी डडे़, लोहे की रोड व ध ारदार हथियार लेकर ऋषि विहार के पार्क के पास पहुँचे व उसके पुत्र व उसके मित्र के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर जान से मारने की नियत से सिर पर गम्भीर प्राण घातक वार कर बेसुद कर वहां से भाग निकले तब उसको पड़ोसियों का फोन आया वह वहां पहुँचा तो देखा की उसके पुत्र व उसके मित्र का तीन चार जगह से सिर फटा हुआ था और वह दोनो बेहोशी की हालत में पड़े थे तथा उनके सिर व अन्य जगहों से खून बह रहा था। तब वह उसे लेकर अस्पताल मेंहूवाला गया और उसके मित्र के पित को सूचना मिली तो वह अपने पुत्र को लेकर आरोग्यम हैल्थकेयर सेण्टर गए।

अस्पताल पहुँचने पर डाक्टरो द्वारा उपचार में असमर्थ होना कहकर मना कर दिया गया और कहा गया कि इनकी स्थिति बहुत नाजुक है जल्द से जल्द इन्हें बड़े अस्पताल ले जाओ नही तो इनकी जान भी जा सकती है जिस पर वह अपने पुत्र व मासूम अली अपने पुत्र को लेकर महंत इन्द्रेश अस्पताल की इमरजेन्सी में लेकर गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ननद पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। ननद पर घर में घुसकर मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू पटेलनगर निवासी चांदनी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी ननद सीमा ने उसके घर न्यू पटेलनगर में समय लगभग सांय 3 बजे अचानक उसके साथ गाली गलोज मारपीट करने लगी तथा उसके 6 साल के पुत्र अनफ के सिर पर पत्थर मार दिया जिससे उसके सिर पर चोट लगी गई और 10 टांके लगे है यह हमेशा उनके साथ मार पीट करती रहती है और कहती है कि वह उसको और उसके बच्चो को जान से मार देगी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मलवे में दबकर मां-बेटी की मौत... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उसका शव बरामद कर लिया है।

बीते कल यमुनोत्री धाम में हुई बारिश से भारी तबाही के बाद बीते कल गंगोत्री धाम में भी वैसा ही मंजर देखने को मिला। भागीरथी नदी ने गंगोत्री धाम के घाट-मंदिर सब कुछ डुबो दिए, शिवानंद आश्रम में फंसे 11 साधु-संतों को रेस्क्यू कर निकला गया है। वही केदारनाथ हाईवे पर रुद्रप्रयाग से पहले हुए भारी भूस्खलन में पहाड़ का बड़ा हिस्सा सड़क पर गिरने से मार्ग बंद हो गया है। राज्य की सभी नदियां व नाले उफान पर है तथा लोगों को इनसे दूर रहने की हिदायत दी गई है। गंगा, जमुना, महाकाली तथा सरयू, गोला सहित सभी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

उधर देहरादून के सहस्त्रधारा में भी पर्यटकों के जाने पर रोक लगा दी गई है तथा स्कूलों में अवकाश रखा गया है।

तलवारबाजी कर मारपीट करने वाले दो... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

व एसओजी ने देर रात मुक्त विश्व विद्यालय के पास से गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तलवार भी बरामद की गयी है। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि गिरफ्तार आरोपी सिमरनदीप

व आशु उर्फ आशुतोष भण्डारी मुख्य आरोपी देवेन्द्र सिंह बिष्ट जो वर्ष 2022 में एमबी डिग्री कालेज हल्द्वानी में मारपीट के मामले में जेल गया था उस दौरान उसकी उन दोनों से जेल में मुलाकात हुई थी। जहाँ से उनकी आपस में दोस्ती हो गयी और 20 जुलाई को नुमाईश मैदान में हुई घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी अपनी स्कार्पियो कार से फरार हो गये थे।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी आशुतोष उर्फ आशु थाना किच्छा का हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ जनपद उ.सि.नगर में हत्या के प्रयास, लूट, बल्वा, मारपीट, अस्लाहों की तस्करी आदि के कुल 15 मुकदमें दर्ज है। वहीं आरोपी सिमरनदीप सिंह थाना पुलबट्टा जनपद उ.सिं.नगर का हिस्ट्रीशीटर है जिसके विरूद्ध हत्या के प्रयास, अवैध अस्लाह, गुण्डा अधिनियम, गैंगस्टर अधि नियम के तहत जनपद उ.सिं.नगर में कुल 15 मुकदमें दर्ज है। पुलिस के अनुसार दोनो आरोपी दोनों व्यक्ति हार्डकोर अपराधी हैं।

चोरी के 22 लाख रूपयों के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नेपाली युवक से बरामद हुए 22 लाख से अधिक रूपये के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा एसबीआई बैंक मुवानी की शाखा से उक्त रूपये चुराये गये थे जिन्हे लेकर वह नेपाल भागने की फिराक में था।

जानकारी के अनुसार बीती 25 जुलाई को एस.एस.बी. धारचूला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय झूला पुल पर चैंकिंग के दौरान एक नेपाली युवक को एक बक्से व दो मोबाइल के साथ पकड़ा गया। चैक करने पर बक्से से 22,45,000/- भारतीय रुपया बरामद हुआ। एस.एस.बी. द्वारा पूछताछ करने पर उस नेपाली युवक ने अपना नाम नवीन धामी निवासी नेपाल बताया तथा मोबाइल के बारे में पूछने पर उसने मोबाइल कस्बा मुवानी थाना थल क्षेत्र के एक सुनार की दुकान से चोरी करना बताया। बरामद रूपयों के बारे में पूछने पर उक्त युवक द्वारा कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। जिसके पश्चात एस.एस.बी. द्वारा उक्त युवक को बरामद रूपयों व मोबाइल के साथ अग्रिम कार्यवाही हेतु, थाना धारचूला के सुपुर्द किया गया ।

बरामद मोबाइल के सम्बन्ध में थाना थल को अवगत कराकर कानूनी कार्यवाही प्रारम्भ की गई । क्योंकि बरामद नगदी काफी बड़ी मात्रा में थी अत: इसकी गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी। बरामद मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई गई, तथा घटना के पश्चात आरोपी जहां-जहां रुका था उन जगहों के सीसी कैमरे खंगाले गये। आरोपी बार-बार अपने बयान बदल रहा था परन्तु सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह पैसे उसने 22 जुलाई की रात कस्बा मुवानी भारतीय स्टेट बैंक से चोरी किये थे। जिस पर पुलिस ने भारतीय स्टेट बैंक कस्बा मुवानी के शाखा प्रबंधक से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि 22 जुलाई की रात उनके बैंक से 23 लाख 16000 रुपए चोरी की गयी थी। जिसका मुकदमा थाना थल में दर्ज कराया गया है।

कांवड़ियों के भेष में कर रहे थे शराब का कारोबार,जखीरा बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले के दौरान पुलिस, पीएसी व आरपीएफ ने बड़ी कार्यवाही करते हुए हर की पैड़ी क्षेत्र की एक धर्मशाला से भारी मात्रा में शराब का जखीरा बरामद करते हुए दो लोगों का गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार होने वाले आरोपियों में से एक ने कावड़ियों का भेष धर रखा था। बरामद शराब का जखीरा हरिद्वार के एक बड़े शराब माफिया का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार कावड़ मेले के बीच हर की पैड़ी क्षेत्र से अवैध शराब का जखीरा मेला ड्यूटी में तैनात पुलिस, पीएसी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने पकड़ा है। पकड़ा गया माल हरिद्वार के जाने-माने शराब माफिया का बताया जा रहा है। जिसके दो गुर्गे भी पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। जिसमें एक आरोपी ने कांवड़िये का वेश धारण किया हुआ था। माना जा रहा है कि कावड़ियों की भीड़ का फायदा उठाते हुए अवैध शराब का भंडारण किया गया था। जिसे मेले के दौरान ही आम दिनों से ज्यादा कीमत पर बेचा जाना था।

हर की पैड़ी क्षेत्र में यह धंध ा गंगाराम की हवेली नामक ध र्मशाला में चल रहा था। धर्मशाला के भीतर अवैध शराब छिपा कर रखी गई थी। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम विक्रम गिरी और सोनू बताए हैं।

सूत्रों का कहना है कि आरोपियों ने शराब का जखीरा प्रमोद बिहारी नामक व्यक्ति का बताया है। कार्रवाई में कावड़ मेला ड्यूटी में तैनात एटीसी, पीएसी व आरपीएफ के अलावा हरकी पैड़ी पुलिस चौकी की टीम भी शामिल रही। रात में हुई इस कार्रवाई से शराब माफिया में हड़कंप मचा रहा।

शहीद सैनिकों के गांवो को शहीद धाम का दर्जा देने की मांग

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने सरकार से कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के गांवों को शहीद धाम का दर्जा देने की मांग की।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन के तत्वाधान में कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित श्रद्धासुमन कार्यक्रम में पूर्व सैन्य अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, सेवानिवृत्त राज्य सरकार के अधिकारियों, दून बुद्धिस्ट सोसाइटी की तिब्बती बहिनो, आंदोलनकारियो ने शहीदो के सम्मान मे पुष्पांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजली दी।

वक्ताओं ने कहा इस युद्ध में तिरंगे में लिपट कर आए जवानों के गांवो को शहीदधाम का दर्जा देकर उत्तराखंड सरकार द्वारा उनके परिवारों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए इनसे हर माह मुलाकात करने हेतु स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए।

उनका कहना था कि शहीदों के परिवारों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को धरातल पर उतारे जाने की जरूरत है केवल औपचारिक भाषणो से इनका भला नही होगा। इस अवसर पर लै.कर्नल विक्रम सिंह थापा, ब्रिगेडियर केजी बहल, लै.कर्नल बीएम थापा, डा ब्रजमोहन शर्मा, जीएस जस्सल, मधु त्यागी, परमजीत कक्कड़, खुशबीर सिंह, प्रदीप कुकरेती, रुचि त्यागी, प्रकाश नागिया, अवधेश शर्मा, सुशील त्यागी, जगदीश बावला, ओमप्रकाश उनियाल, लेफ्टिनेंट कर्नल जीएस गंभीर, आशा टम्टा, अमर सिंह धुनता, सुशील सैनी, जयपाल सिंह, मोहन खत्री, सत्य प्रकाश चौहान, गिरीशचंद्र भट्ट, चौध री चंद्रपाल सिंह, जसमीत कौर जस्सल तथा तिब्बती वूमेन फेडरेशन की महिलाएं भी शामिल थी।

एक नजर

धरने के दौरान बेहोश हुए विधायक तिलकराज बेहड़, अस्पताल में भर्ती

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। धरने के दौरान लोगों को सम्बोधित कर रहे विधायक तिलकराज बेहड़ अचानक बेहोश हो गये। जिससे कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया, जिन्हे अस्पाल ले जाया गया जहां उनका उपचार जारी है।

किच्छा में एसडीएम को हटाने और व्यापार मंडल के चुनाव को लेकर दिये जा रहे धरने को संबोधित कर रहे विधायक तिलकराज बेहड़ भाषण देने के दौरान अचानक बेहोश हो गए। जिससे कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में त्वरित कार्यवाही करते हुए विधायक तिलकराज बेहड़ को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। इस दौरान एडीएम पंकज उपाध्याय भी अस्पताल पहुंचे हैं। जो उनके स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ले रहे है।

सोनप्रयाग शटल पार्किंग के ऊपर से गिरी चट्टान, जानमाल का नुकसान नहीं

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने अवगत कराया है कि श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग सोनप्रयाग शटल पार्किंग के ऊपर से आज प्रातः 11 बजे चट्टान गिरने की सूचना प्राप्त हुई, जिसमें कोई भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। पहले से ही सभी यात्रियों को सतर्क कर दिया गया था। यात्रियों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए यात्रा कुछ समय के लिए बाधित है।

गंगा परियोजना संस्थान में कर्मचारी की करंट लगने से हुई मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश स्थित गंगा परियोजना संस्थान में कार्यरत कर्मचारी आज सुबह करंट लगने से बेहोश हो गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। जानकारी के अनुसार खारा स्रोत के पास बने गंगा परियोजना संस्थान पंप में कार्यरत कर्मचारी की करंट लगने से आज सुबह मौत हो गई। घटना लगभग 7 बजे सुबह की बतायी जा रही है। जब कर्मचारी कुलर के ऊपर कपड़ा फैलाने गया था तभी अचानक कुलर में दौड़ रहे करंट की चपेट में आ गया। घटनास्थल पर कोई भी मौके पर मौजूद नहीं था। कुछ देर बाद जब दूसरा कर्मचारी ड्यूटी पर आया। तभी वह उक्त कर्मचारी को बेहोशी की हालत में देख घबरा गया और उसने शोर मचाया। आनंद फानन में कर्मचारी को राजकीय चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में आए उनके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। मृतक नाम विपिन उम्र 28 वर्ष बताया जा रहा है जिसके 5 भाई व 2 बहनें हैं।

छोटी गाड़ियों के लिए खुला गौरीकुंड हाईवे, 2500 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। भारी बारिश के चलते सोन प्रयाग स्थित सोन नदी का बहाव इन दिनों बेहद तेज हो गया है। शनिवार को तेज बहाव के चलते सोनप्रयाग स्थित शटल सेवा पार्किंग के समीप सड़क का एक हिस्सा बह गया था। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला प्रशासन ने बाधित मार्ग को खोलते हुए करीब 2500 श्रद्धालुओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया। वहीं यात्रा सुचारू करने के लिए पहाड़ की कटिंग कर छोटी गाड़ियों के लिए रास्ता तैयार कर लिया गया है। वहीं सुरक्षा दीवार का कार्य भी शुरू कर दिया गया है ताकि जल्दी बड़े वाहनों के लिए भी यातायात शुरू हो सके।

उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला ने अवगत कराया है कि देर रात से हो रही भारी बारिश के कारण श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग सोनप्रयाग शटल सेवा के पास सोन नदी के तेज बहाव के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था, जिस कारण यातायाता बाधित हो गया था। उन्होंने अवगत कराया है कि सूचना प्राप्त होते ही अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग निर्भय सिंह, सिंचाई विभाग एवं वह स्वयं मौके पर पहुंचे।

उन्होंने कहा कि सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण तत्काल विद्युत विभाग को सूचित करते हुए विद्युत आपूर्ति को बाधित करते हुए क्षतिग्रस्त पोल को हटवाया गया एवं शटल सेवा के ऊपर से आए मलबे को भी जेसीबी के माध्यम से हटाया गया। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त रोड़ पर जेसीबी के माध्यम से त्वरित कार्यवाही करते हुए छोटे वाहनों की आवाजाही हेतु यात्रा मार्ग सुचारू कर दिया गया है तथा बड़े वाहनों की आवाजाही हेतु कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत कुछ समय के लिए यात्रियों को रोक दिया गया था तथा यात्रा मार्ग पर लगभग ढाई हजार यात्री जो फंसे हुए थे उन्हें निकाल दिया गया है तथा दोनों तरफ से यात्रियों की आवाजाही शुरू कर दी गई है।

अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने अवगत कराया है कि वह भी यात्रा मार्ग पर मौजूद हैं तथा यात्रा संचालित हो रही है एवं जहां भी कहीं पर मलबा आने एवं रोड़ बाधित होने पर एनएच के द्वारा जेसीबी के माध्यम से मलबा हटाने की कार्यवाही बाधित हो रहे सड़क मार्ग को आवाजाही हेतु खोल दिया जा रहा है।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगोत्री विहार कैनाल रोड निवासी पवनेश राणा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मैक्स अस्पताल में किसी को देखने गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल अस्पताल के सामने खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं रीठा मण्डी निवासी सुनील कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में देहराखास से अपनी स्कूटी चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। इसके साथ ही बशौवाल निवासी मोनू ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि उसकी बुलेट मोटरसाईकिल को उसके घर से बाहर से चोरी कर ली गयी है। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विद्युत विभाग के लाइन मैन के साथ मारपीट में दो पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। विद्युत विभाग के लाइन मैन के साथ मारपीट कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने पर दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेशपुर निवासी मनोज ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह विद्युत विभाग में लाइन मैन के पद पर कार्यरत है। आज जब वह शेरपुर सभावाला में लाइन ठीक करने गया तो वहां पर रवि व मदन ने अपने साथियों के साथ उसके साथ गाली गलौच करनी शुरू कर दी। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करते हुए सरकार कार्य में बाधा पहुंचायी।

यमुनोत्री में भी यमुना के ऊफान से कई भवनों को कराया खाली

संवाददाता

देहरादून। भारी बारिश के चलते यमुनोत्र में यमुना का जलस्तर बढने से एसडीआरएफ ने नदी किनारे बसे लोगों को घरों से बाहर निकाल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

आज यहां गत रात्रि में करीब 12 बजे यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से श्री यमुनोत्री धाम में नदी के किनारे बने शौचालय बहने, पुरोहित सभा के कक्ष आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने, मंदिर समिति का जनरेटर व स्ट्रीट लाइट क्षतिग्रस्त होने के साथ मंदिर प्रंगण के निचले क्षेत्र में मालवा आया है। इसके अतिरिक्त जानकीचट्टी राम मंदिर में पर्यटन विभाग का पंजीकरण केंद्र क्षतिग्रस्त हुआ है। जानकीचट्टी बड़ी पार्किंग में पानी व मलवा आने से 1-2 मोटर साईकिल व 1-2 खच्चर बहने तथा 2 मैक्स गाडियों की मलवे मे फंसे होने की जानकारी प्राप्त हुयी है। पुलिस, एसडीआरएफ व प्रशासन के कार्मिको द्वारा जानकीचट्टी में नदी के तटवर्ती क्षेत्र के भवनों को रात में ही खाली करवाकर प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचा दिया था। यमुना नदी के किनारे आस-पास के क्षेत्र राना चट्टी, हनुमान चट्टी, स्याना चट्टी, पाली गाड़ में पुलिस संचार माध्यम से रात्रि में ही लोगों को सतर्क कर दिया गया था। किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। वर्तमान में यमुना नदी का जलस्तर सामान्य है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा नुकसान का जायजा लिया जा रहा है। जानकीचट्टी में होटल शुभम पैलेस के सामने कटाव होने से रोड पर दरारें आ गयी है, उक्त स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से दोनों तरफ से यातायात के आवागमन को रोका गया है।

मोटरसाईकिल सवारों ने लूटी महिला की चेन

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने महिला के गले से चेन लूट ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवा कालोनी निवासी कमल सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी घर के बाहर टहल रही थी तभी मोटरसाईकिल सवार दो लोग उसके पास पहुंचे। उसकी पत्नी कुछ समझ पाती उससे पहले ही मोटरसाईकिल पर पीछे बैठे बदमाश ने उसकी पत्नी के गले पर झपटा मारकर उसकी चेन लूट ली। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग वहां पहुंचे उससे पहले ही दोनों वहां से फरार हो गये थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।